REPORT ON
ORGANISATION OF CAMP FOR OPENING OF BANK ACCOUNTS OF KARIGARS AND ARTISANS IN EPCH OFFICE, AGRA ON 7.12.2016

हस्तशिल्प उद्योग पर विमुद्रीकरण के प्रभाव को कम करने और हस्तशिल्प क्षेत्र के आधार कारीगरों एवं शिल्पकारों को समय पर भुगतान के उद्देश्य से हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद ने 7 दिसंबर 2016 को ईपीसीएच ऑफिस C/o HANDICRAFTS EXPORTER'S ASSOCIATION – AGRA, 1/129, BAGICHI TULSI RAM, SHAHGANJ PACHKUIYAN ROAD, AGRA – 282010 (U.P) में बैंक अकाउंट एवं जनधन अकाउंट खोलने के लिए कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया.

राष्ट्रीयकृत ओरियंटल बैंक ऑफ कॉर्मस ने इसके लिए अपने अधिकारियों की एक टीम आगरा भेजी. बैंक अकाउंट खोलने के अलावा उन्होंने कारीगरों और शिल्पकारों को कैशलेस भुगतान, ऑनलाइन पेमेंट, मोबाइल बैंकिंग (पेटीएम, बडी, ईवैलेट इत्यादि जैसी सेवाओं) के इस्तेमाल के लिए भी प्रेरित किया.

बैंक अकाउंट खोलने के लिए कैंप में बड़ी संख्या में कारीगरों और शिल्पकारों ने भाग लिया. 100 कारीगरों और शिल्पकारों के बैंक अकाउंट खोले गए इस शिविर के दौरान.

श्री राकेश कुमार, **ईडी- ईपीसीएच** ने बताया ईपीसीएच द्वारा ये शिविर सभी शिल्प समूहों जैसे बंगलौर, गुवाहाटी, जयपुर, जोधपुर, कोलकाता और मुंबई में भी आयोजित होंगे . दो शिविर मोरादाबाद और नरसापुर, आंध्र प्रदेश में पहले हो चुके हैं.

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) देश से भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प वस्तुओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारत की छवि को बनाने में लगी व्यापार और उद्योग की एक शीर्ष संस्था है. हस्तशिल्प के निर्माण में कुशल, अर्धकुशल, अकुशल 70लाख से अधिक कारीगर खास कर महिलाएं और समाज के कमजोर वर्ग से कार्य में लगे हैं.